# INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

| Class: VII- 2nd Lang | Department: Hindi | Date-25/04/24 |
|---|---|---|
| Lesson-2 हिमालय की बेटियाँ | Topic: - प्रश्नोत्तर | Class work |

## अति लघु प्रश्न-

प्रश्न-1 लेखक ने किसे हिमालय की बेटियाँ कहा है?
उत्तर- लेखक ने नदियों को हिमालय की बेटियाँ कहा है।

प्रश्न-2 'हिमालय की बेटियाँ' पाठ के लेखक कौन हैं?
उत्तर- 'हिमालय की बेटियाँ' पाठ के लेखक नागार्जुन जी हैं।

प्रश्न-3 नदियों को लोकमाता किसने कहा है?
उत्तर- नदियों को लोकमाता काका कालेलकर ने कहा है।

प्रश्न-4 लेखक के मन में नदियों के प्रति कैसे भाव थे?
उत्तर- लेखक के मन में नदियों के प्रति आदर और श्रद्धा के भाव थे।

प्रश्न-5 नदियाँ कहाँ पहुँचकर विशाल हो जाती हैं?
उत्तर- नदियाँ मैदानों में पहुँचकर विशाल हो जाती हैं।

प्रश्न-6 किसने हिमालय को देवात्मा कहा है?
उत्तर- कालिदास ने हिमालय को देवात्मा कहा है।

## लघु प्रश्न-उत्तर

प्रश्न-1 लेखक समुद्र को सौभाग्यशाली क्यों मानता है?
उत्तर- लेखक समुद्र को सौभाग्यशाली मानता है क्योंकि उसे पर्वत राज हिमालय की दो बेटियों के हाथ पकड़ने का मौका मिला है। ये बेटियाँ सिंधु और ब्रह्मपुत्र दोनों नदियाँ हैं|

प्रश्न-2 पाठ के लेखक को नदियों में किसके रूप प्रतीत होते हैं?
उत्तर: पाठ के लेखक को नदियों में कभी माँ का, कभी बेटी का, कभी पत्नी का और कभी बहन का रूप दिखाई देता है। इस तरह लेखक को नदियों में स्त्री के अनेक रूप दिखाई होते हैं।

प्रश्न-3 लेखक नदियों को हिमालय की बेटियाँ क्यों कहते हैं?
उत्तर: लेखक नदियों को हिमालय की बेटियों की तरह देखता है क्योंकि वे हिमालय से निकलती हैं और उसकी गोद में खेलती हुई नज़र आती हैं|

प्रश्न-4 लेखक को नदियों की कौन-सी बात हैरान करती है?

उत्तर: नदियाँ हिमालय से निकलकर जब समतल मैदानों में आ जाती हैं तब वे विशाल रूप धारण कर लेती हैं| लेखक जब हिमालय की ऊँचाई पर चढ़कर इस विशाल रूप को देखता है तो उसे हैरानी होती है।

## दीर्घ प्रश्न-उत्तर

प्रश्न-1. काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता क्यों कहा है?

उत्तर- काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता कहा है क्योंकि वे धरती के सभी प्राणियों का लालन-पालन एक माँ की तरह करती हैं। नदियों के जल से फसलें अच्छी तरह पैदा होती हैं और सबकी भूख मिटाती हैं|

प्रश्न-2. हिमालय की यात्रा में लेखक ने किन-किन की प्रशंसा की है?

उत्तर- हिमालय की यात्रा में लेखक ने हिमालय की अनुपम छटा की, हिमालय से निकलने वाली नदियों की, बर्फ से ढकी पहाड़ियों की सुंदरता की, हरी-भरी घाटियों की, देवदार, चीड़, चिनार, सफैदा, आदि से भरे जंगलों की तथा महासागरों की प्रशंसा की है।

प्रश्न-3. हमारे जीवन में नदियों का क्या महत्व है?

उत्तर- नदियों के बिना धरती पर जीवन संभव ही नहीं है क्योंकि नदियाँ ही हमें पीने से लेकर नहाने तक के दैनिक कार्य के लिए पानी देती हैं और धरती को उपजाऊ बनाती हैं। मनुष्य ही नहीं जीव-जंतु और पेड़-पौधे सब नदियों पर ही निर्भर करते हैं। नदियाँ हमारे आवागमन का साधन भी हैं।

**लेखन कार्य- H.W**

अनुच्छेद- नदियों से होनेवाले लाभों के विषय में चर्चा कीजिए और इस विषय एक अनुच्छेद लिखिए।

उत्तर- चर्चा हेतु संकेत बिंदु- जल प्राप्ति
बाँध बनाना
वर्षा में सहायक
सिंचाई में सहायक
आवागमन हेतु सहायक
बिजली बनाना।

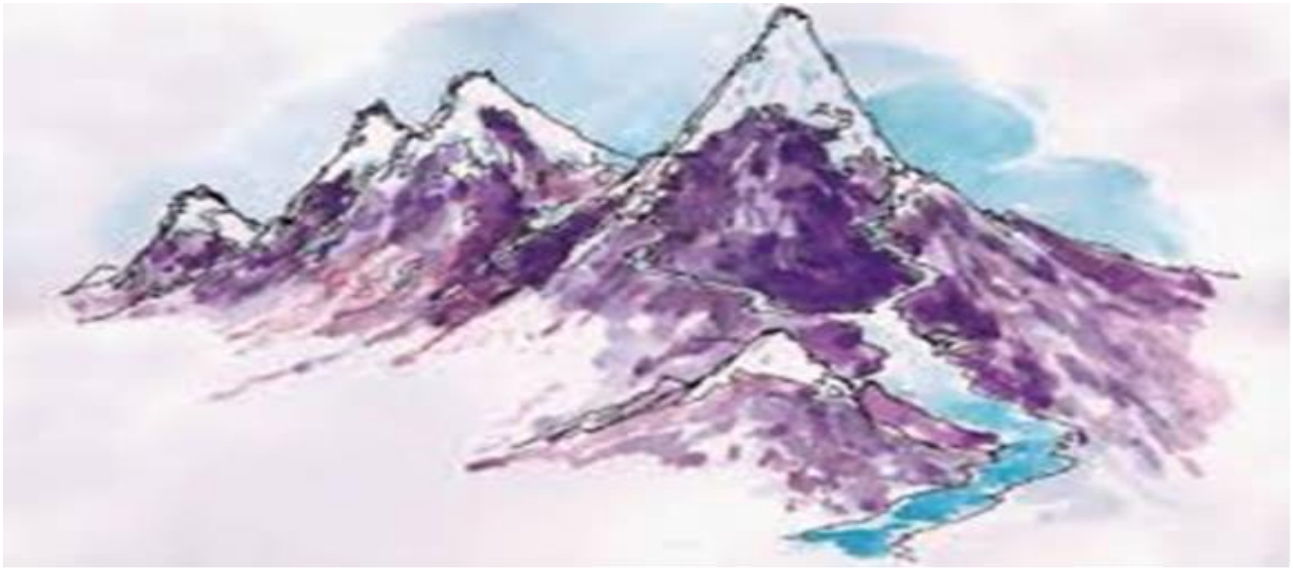

उत्तर- नदियाँ हमारे जीवन का आधार हैं। पहाड़ों से निकलकर मैदानों में बहती हुई नदियाँ असंख्य प्राणियों को जीवन देती हैं। प्राणियों की प्यास बुझाने के अलावा नदियाँ धरती को उपजाऊ बनाती है। आवागमन का साधन हैं। इन पर बाँध बनाकर बिजली उत्पन्न की जाती है। ये वनों को सींचती हैं। वर्षा लाने में सहायक होती हैं। नदियों के किनारे गाँवों का बसेरा पाया जाता है। गाँव के लोग अपनी छोटी-बड़ी सभी आवश्यकताएँ जैसे सिंचाई करने, पानी पीने, कपड़े धोने, नहाने, अपने पालतू पशुओं के लिए नदियों का जल ही प्रयोग करते हैं। हमारे अधिकतर तीर्थस्थल भी नदियों के किनारे बसे हैं इसी कारण नदियाँ पूजनीय भी हैं। अंत में यही कहा जा सकता है कि नदियाँ हमारी संस्कृति की पहचान हैं। इन्हें दूषित नहीं करना चाहिए क्योंकि हमारा जीवन इन्हीं पर निर्भर है।